5.2.26 पत्रावली पेश हुई।

वादी एवं उनके वकील द्वारा जरिये प्रा.पत्र अपना वाद विड्रो किये जाने पेश किया।

बहस सुनी गई।

वादीगण एवं प्रतिवादीगण के मध्य आपसी सहमति विवाद हेतु समझौता हो जाने से वाद की कार्यवाही को आगे नहीं चलाना चाहते हैं। लिहाजा वादी का प्रा.पत्र स्वीकार किया जाकर वाद को इसी स्तर पर जरिये राजीनामा खारिज (विड्रो) किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

वाद विड्रो किया जावे

सहायक कलक्टर
SDO सिणधरी